सुविचार- अगर आप दूसरों के बारे में भी सोचते हैं तो आप सच्चे इंसान हैं.

कहानी

साहसी मिक्की बंदर की कहानी

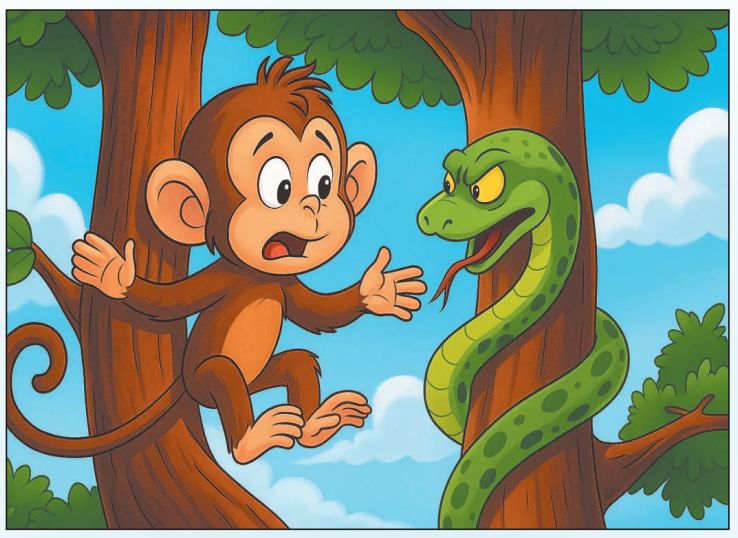

जंगल का छोटा साहसी कहानी में मिक्की नाम का एक नन्हा बंदर अपने दोस्तों—कालू, मिंटू, और रानी—के साथ जंगल में रहता है. मिक्की का सपना सूरज के पेड़ पर चढ़कर सूरज को पास से देखना है. वह साँप और तेज़ हवा जैसी मुश्किलों का सामना करता है, लेकिन हिम्मत नहीं हारता. अपने दोस्तों के हौसले की मदद से वह अपने सपने को पूरा करता है और सूरज के पेड़ की चोटी तक पहुँच जाता है.

एक हरे-भरे जंगल में ढेर सारे जानवर रहते थे—शेर, हाथी, जिराफ़, और नन्हा-सा बंदर मिक्की. मिक्की बहुत चंचल था और हमेशा पेड़ों पर उछल-कूद करता रहता था. वह अपने दोस्तों—कौआ कालू, खरगोश मिंटू, और मोरनी रानी—के साथ दिन भर मस्ती करता था. लेकिन मिक्की का एक सपना था. वह जंगल के सबसे ऊँचे पेड़, जिसे सूरज का पेड कहते थे, पर चढ़ना चाहता था. उस पेड़ की चोटी से सूरज को छूने का मज़ा लेना उसका सबसे बड़ा सपना था.

एक दिन मिक्की ने अपने दोस्तों से कहा, कालू, मिंटू, रानी! मैं आज सूरज का पेड़ पर चढ़ूँगा. मैं सूरज को पास से देखना चाहता हूँ! कालू ने चिंता से कहा, मिक्की, वह पेड़ बहुत ऊँचा है. वहाँ तक पहुँचना मुश्किल है. कहीं तुम गिर न जाओ! मिंटू ने हँसते हुए कहा, अरे, मिक्की, तुम तो बहुत छोटे हो. इतने बड़े पेड़ पर कैसे चढ़ोगे? लेकिन रानी ने मिक्की का हौसला बढ़ाया और बोली, मिक्की, तुम बहुत हिम्मती हो. कोशिश करो, हम तुम्हारे साथ हैं!

सूरज का पेड़ और चुनौतियाँ - मिक्की ने सूरज के पेड़ की ओर देखा. वह पेड़ इतना ऊँचा था कि उसकी चोटी बादलों को छूती थी. मिक्की ने हिम्मत जुटाई और पेड़ पर चढ़ना शुरू किया. वह एक डाल से दूसरी डाल पर कूदने लगा. लेकिन रास्ते में उसे कई मुश्किलें आईं. पहले एक बड़ा-सा साँप आया, जो फुफकारते हुए बोला, छोटे बंदर, यह मेरा पेड़ है! यहाँ से चले जाओ! मिक्की डर गया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी. उसने साँप से कहा, मैं सिर्फ़ सूरज को देखना चाहता हूँ. मुझे जाने दो, मैं तुम्हें परेशान नहीं करूँगा. साँप उसकी मासूमियत देखकर हट गया.

थोड़ा और ऊपर चढ़ने पर तेज़ हवा चली. मिक्की को लगा कि वह गिर जाएगा. उसने डाल को कसकर पकड़ लिया और सोचा, मैं हार नहीं मानूँगा. मुझे अपने दोस्तों को दिखाना है कि मैं कर सकता हूँ! हवा रुकने पर मिक्की फिर आगे बढ़ा.

मिक्की की जीत - कई मुश्किलों के बाद, मिक्की आखिरकार सूरज के पेड़ की चोटी पर पहुँच गया. वहाँ से सूरज बहुत बड़ा और चमकीला दिख रहा था. मिक्की ने खुशी से चिल्लाया, वाह! मैंने कर दिखाया! सूरज कितना सुंदर है! नीचे से उसके दोस्तों ने उसे देखा और तालियाँ बजाईं. कालू ने कहा, मिक्की, तुम सच में साहसी हो! मिंटू बोला, मुझे तुम पर गर्व है! और रानी ने अपने रंग-बिरंगे पंख फैलाकर खुशी से नाचते हुए कहा, मिक्की, तुमने हमें सिखा दिया कि हिम्मत से हर सपना पूरा हो सकता है!

मिक्की ने नीचे उतरकर अपने दोस्तों को गले लगाया और बोला, यह जीत हम सब की है. तुम सब ने मेरा हौसला बढ़ाया, तभी मैं यह कर पाया. उस दिन जंगल में खुशियों की बारिश हो गई.

सीख

बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हिम्मत और दोस्ती से हर सपना पूरा हो सकता है. मिक्की ने मुश्किलों से डरने की बजाय हिम्मत दिखाई और अपने दोस्तों के हौसले से अपने सपने को सच कर दिखाया. हमें भी अपने सपनों के लिए मेहनत करनी चाहिए और अपने दोस्तों का साथ देना चाहिए. हिम्मत और दोस्ती की ताकत से हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं!

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

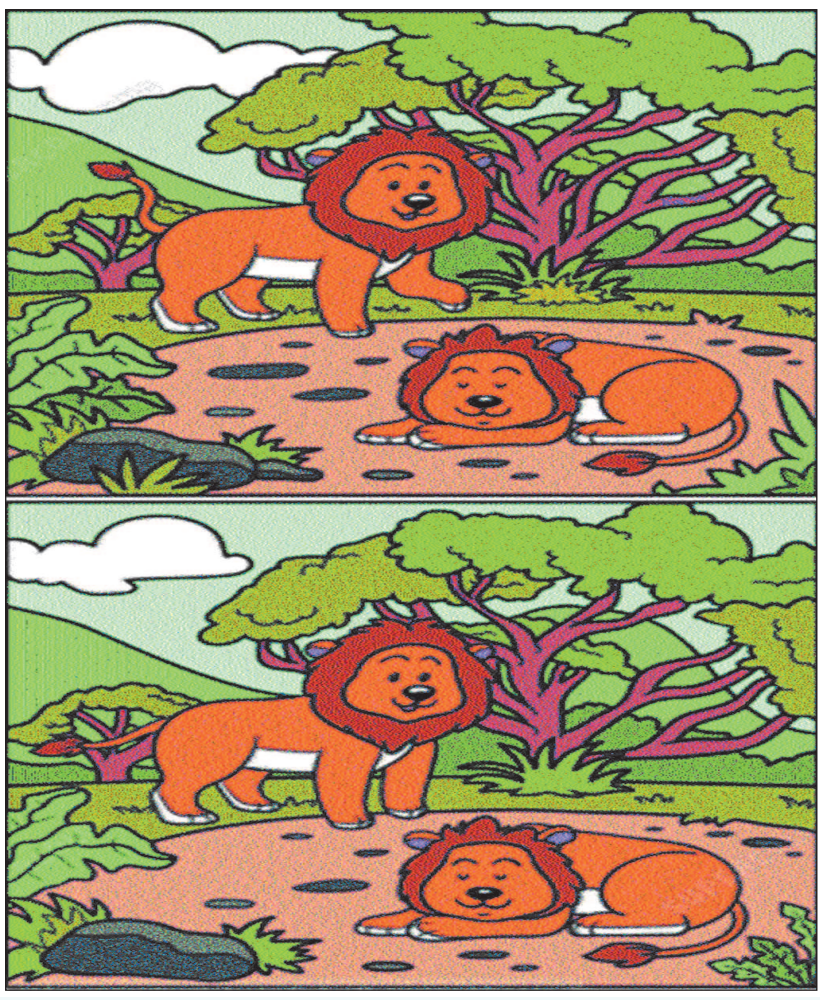

उत्तर- 1.आकाश के बादल का आकार छोटा, 2. बड़े पेड़ के नीचे लगे छोटे पौधों में अंतर, 3. खड़े हुए शेर की पूंछ में अंतर, 4. गोल घेरे की बनी डिजाइन में फर्क, 5. नीचे रखे पत्थर के पास के पेड़ गायब, 6. सोए हुए शेर के बाजू में लगे पेड़ की डिजाइन अलग.

रामकृष्ण वी . होसुर : एक प्रेरणादायक वैज्ञानिक की कहानी

बच्चों, आज हम एक बहुत खास वैज्ञानिक की बात करेंगे, जिनका नाम है रामकृष्ण वी. होसुर! वे भारत के एक बड़े वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने साइंस की दुनिया में बहुत नाम कमाया. उनका जन्म 16 मई 1953 को कर्नाटक में हुआ था, और आज उनकी जन्मतिथि है—16 मई 2025! रामकृष्ण अंकल को साइंस में उनके शानदार काम के लिए 2014 में भारत सरकार ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया, जो भारत का चौथा सबसे बड़ा सम्मान है.

उनकी पढ़ाई और शुरुआत -रामकृष्ण अंकल ने अपनी स्कूल की पढ़ाई कर्नाटक में शुरू की. उन्होंने 1971 में कर्नाटक यूनिवर्सिटी से साइंस में डिग्री ली और पूरे विश्वविद्यालय में 5वें नंबर पर आए. इसके बाद, उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च से 1978 में क्द्धष्ठ पूरी की. वे बहुत मेहनती थे और हमेशा कुछ नया सीखना चाहते थे.

साइंस में उनका काम - रामकृष्ण अंकल को बायोफिजिकल साइंस में बहुत बड़ा नाम है. यह साइंस का एक हिस्सा है, जिसमें हम यह समझते हैं कि हमारा शरीर कैसे काम करता है. वे खास तौर पर न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस नाम की तकनीक पर काम करते हैं. यह तकनीक शरीर के अंदर की तस्वीरें लेने में मदद करती है, जैसे स्न्क्ष्ठ मशीनें जो डॉक्टर इस्तेमाल करते हैं. उनके काम से वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि प्रोटीन और ष्ठ्ठ कैसे काम करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बहुत ज़रूरी हैं.

पुरस्कार और सम्मान- रामकृष्ण अंकल को उनके शानदार काम के लिए कई पुरस्कार मिले. 1992 में उन्हें बी. एम. बिरला अवॉर्ड, 2007 में जे. सी. बोस नेशनल फेलोशिप, और 2009 में जी. एन. रामचंद्रन गोल्ड मेडल मिला. 2014 में उन्हें पद्म श्री मिला, जो बहुत बड़ा सम्मान है. वे इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज़ और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़ के फेलो भी हैं.

उनके शौक और परिवार- रामकृष्ण अंकल को साइंस के अलावा संस्कृत बहुत पसंद है. वे पुराने दार्शनिकों की किताबें पढ़ते हैं. वे मुंबई में अपने परिवार के साथ रहते हैं और उनके दो बच्चे हैं. वे बच्चों को पढ़ाना भी पसंद करते हैं और हमेशा उन्हें प्रेरणा देते हैं कि वे मेहनत करें और सपने देखें.

बच्चों के लिए सीख - बच्चों, रामकृष्ण अंकल की कहानी हमें सिखाती है कि मेहनत और लगन से हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं. उन्होंने छोटे से शहर से शुरू करके साइंस की दुनिया में बड़ा नाम कमाया. हमें भी अपने सपनों के लिए मेहनत करनी चाहिए और कभी हार नहीं माननी चाहिए. साइंस से हमें दुनिया को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, और तुम भी एक दिन वैज्ञानिक बन सकते हो

रोचक जानकारी

मेंढकों से जुड़े रोचक तथ्य

मेंढकों से जुड़े 20 अद्भुत और रोचक तथ्य- इन रोचक तथ्यों के माध्यम से बच्चे न केवल मेंढकों के बारे में नई जानकारी प्राप्त करेंगे, बल्कि यह जानेंगे कि मेंढक हमारे पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं.

आकार में सबसे छोटा मेंढक - क्यूबा में पाया जाने वाला क्यूबन ड्वार्फ मेंढक है, जो केवल 1 से 1.5 सेंटीमीटर का होता है.

विश्व का सबसे बड़ा मेंढक - पश्चिमी अफ्रीका का गोलियथ मेंढक है, जिसकी लंबाई 30 सेंटीमीटर और वजन 3.5 किलोग्राम तक होता है.

अमेज़न के रंग बदलने वाले मेंढक - अमेजन नदी के पास पाए जाने वाले हरे रंग के मेंढक बारिश आने से पहले लाल रंग के हो जाते हैं, इसे प्रकृति का संकेतक माना जाता है.

सींग वाले मेंढक - ब्राज़ील, अर्जेंटीना और एशिया में पाए जाते हैं. इनकी खाल खुरदरी होती है और इनकी आँखों के ऊपर सींग जैसी संरचना होती है.

मेंढकों की जुबान - अधिकांश मेंढकों की जुबान चिपचिपी और लचीली होती है, जिससे वे कीड़े-मकोड़े तेजी से पकड़ लेते हैं.

खाने का तरीका - मेंढक अपनी आँखों को अंदर की ओर धकेलकर भोजन को गले के नीचे उतारने में मदद करते हैं.

टॉक्सिक मेंढक - दक्षिण अमेरिका के जंगलों में डार्ट फ्रॉग पाए जाते हैं, जो दुनिया के सबसे जहरीले मेंढक हैं. इनकी चमड़ी से निकलने वाला जहर इंसानों को भी मार सकता है.

मेंढकों की संख्या - दुनिया में मेंढकों की लगभग 5,000 से

भूल भुलैया

कांच की बोतल से बनाएं एक सुंदर गुलदान

बच्चों, क्राफ्ट एक ऐसी कला है, जिसमें हम अपनी रचनात्मकता से रोज़मर्रा की चीज़ों को नया और सुंदर रूप दे सकते हैं. यह न सिर्फ़ मज़ेदार होता है, बल्कि हमें पुरानी चीज़ों को फिर से इस्तेमाल करना भी सिखाता है. क्राफ्ट करने से हमारा दिमाग सक्रिय होता है, और हम नई-नई चीज़ें सीखते हैं. आज हम एक खाली कांच की बोतल से एक सुंदर गुलदान बनाएँगे, जो आपके घर की सजावट को और भी खास बना देगा.

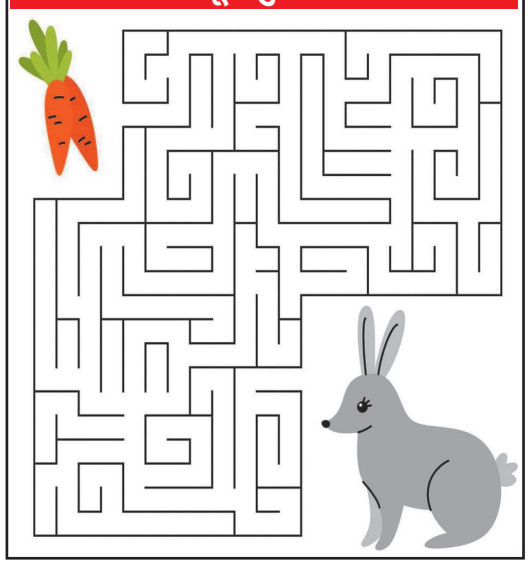

गुलदान - सामग्री - एक खाली कांच की बोतल, मिट्टी या कंकड़, गोंद, पोस्टर रंग, ब्रश

विधि- सबसे पहले, गोंद की मदद से कंकड़ को बोतल के निचले हिस्से में चिपकाएँ. अगर आपके पास कंकड़ नहीं हैं, तो आप मिट्टी से भी बोतल के निचले हिस्से को भर सकते हैं. अब इसे थोड़ी देर के लिए सूखने दें, ताकि कंकड़ या मिट्टी अच्छे से जम जाए. इसके बाद, पोस्टर रंगों और ब्रश की मदद से बोतल को रंग-बिरंगे रंगों से सजाएँ. आप अपने पसंदीदा रंग चुन सकते हैं और बोतल पर सुंदर डिज़ाइन बना सकते हैं. रंगों को अच्छे से सूखने दें, ताकि वे खराब न हों. लीजिए, आपका सुंदर गुलदान तैयार है! अब आप इसमें फूल डालकर अपने घर की सजावट कर सकते हैं.

कविता

म्याऊं-म्याऊं-म्याऊं

म्याऊं म्याऊं, म्याऊं
पूसी मैं कहलाऊँ,
मार के अक्सर नौ सौ चूहे
हज करने को जाऊँ.
म्याऊं म्याऊं, म्याऊं
क्या मैं अंदर आऊँ?
दूध खुला मिल जाए कहीं तो
गट गट गट पी जाऊँ.
म्याऊं म्याऊं, म्याऊं,
मैं बच्चों को भाऊँ,
लेकिन आऊँ हाथ न उनके
सरपट दौड़ लगाऊँ.

बूझो तो जानें

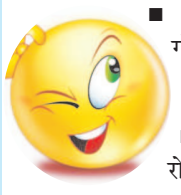

- न हो बीमार फिर भी खाए गोली. जब ये चले तो सब डर जाएँ, सुन कर इसकी बोली.
  उत्तर - बंदूक
- हूँ मैं ऐसा अंधेरा, जो रोशनी से बने.
  उत्तर - परछाई
- मुझे तुम छू नहीं सकते, पर देख सकते हो. बूझो कौन हूँ मैं?
  उत्तर -सपना
- जिसने भी मुझे काटा मारा ङ्क फिर वो रोया खूब बेचारा
  उत्तर- प्याज
- हरी ज़मीन पर लाल मकान- तौबा - तौबा करे इंसान.
  उत्तर- मिर्च
- मेरी पीठ पर जो बैठेगा, मेरे साथ हवा में उड़ेगा.
  उत्तर- हवाई जहाज
- गोल-गोल घुमाओ तो बढ़ जाऊँ, इस्तेमाल करो तो घिस जाऊँ.
  उत्तर- पेंसिल

हंसी-ठिठोली

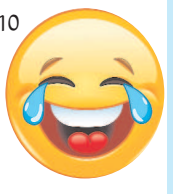

- टीचर - एक टोकरी में 10 आम है , उसमें से 2 आम सड़ गए , बताओ कितने आम बचे ?
  संजू - सर , 10 आम
  टीचर - वो कैसे ?
  संजू - सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना , केले थोड़ी बन जायेंगे..
  आज संजू एक वकील है...
- संता बंता से ये बच्चा तुम्हारा क्या लगता है?
  बंता: ये दूर का मेरा भाई है..
  संता दूर का भाई मतलब मैं नहीं समझा
  बंता मतलब हम दोनों के बीच में 8 बहनें हैं.
- टीचर संता से- ये बताओं तुम इतिहास पुरूष में सब से ज्यादा किससे नफरत करते हो ?
  संता- राजा राम मोहन राय से
  टीचर- क्यों ..?
  संता- उसी नें बाल विवाह बंद करवाया था, वरना आज हम भी बीवी बच्चे वाले होते..

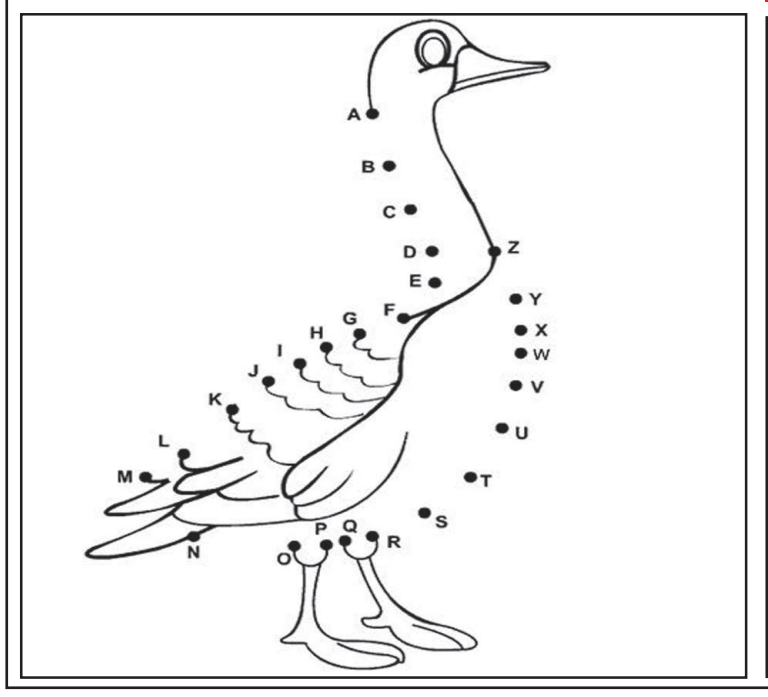

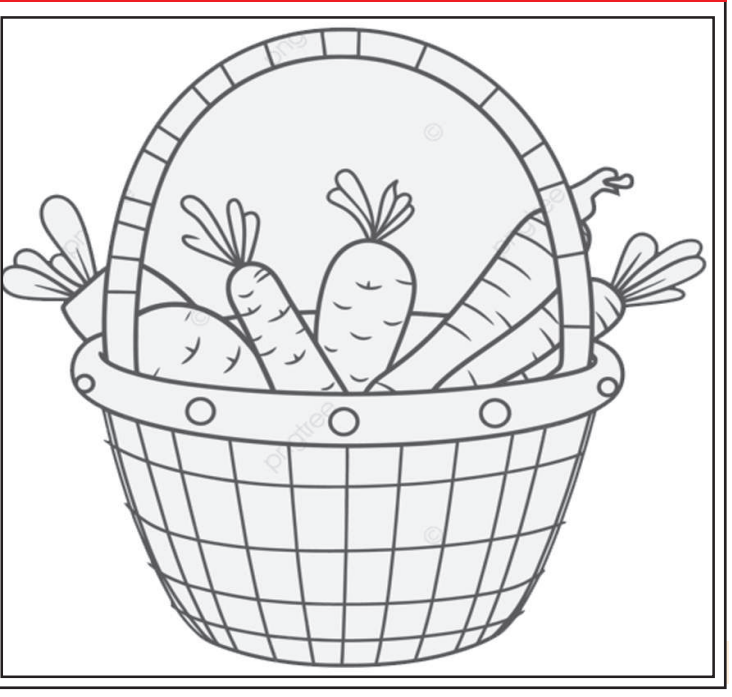

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स , लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com **पर मेल करें .**

बिंदु मिलाओ

रंग भरो